सफाई

- भारत में एक व्यक्ति रोजाना औसतन 0.15 से 0.35 कि. ग्राम कचड़ा पैदा करता है ।
- केले के छिलके को नष्ट होने में तीन से चार सप्ताह का समय लगता है । बाजार से सामान लाने के लिए उपयोग किया प्लास्टिक बैक कभी नष्ट नहीं होता ।
- रसायनों से प्रदूषित पानी उपयोग के लायक नहीं रहता व इससे मनुष्यों व पशुओं में प्राय: स्वास्थ्य की समस्याएं खड़ी हो जाती है ।
- मनुष्यों की बस्तियां उद्योगों के मुकाबले चार गुना कचरा जलाशयों में डालती है ।
- पानी से भरे गड्ढ़ों में मच्छर पैदा होते हैं जो मलेरिया व डेंगू बुखार जैसी खतरनाक बीमारियां फैलाते हैं ।
- प्रदूषित पानी से हैजा, आंत्राशोध, टाइफाइड, पीलिया, दस्त व पेचिश जैसी बीमारिया फैलती हैं । भारत में होने वाली बीमारियाँ में 66 प्रतिशत प्रदूषित पानी से फैलती हैं व इससे 730 लाख कार्य दिवसों का नुकसान होता है ।

एनविस सेन्टर
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
रायपुर (छत्तीसगढ़)